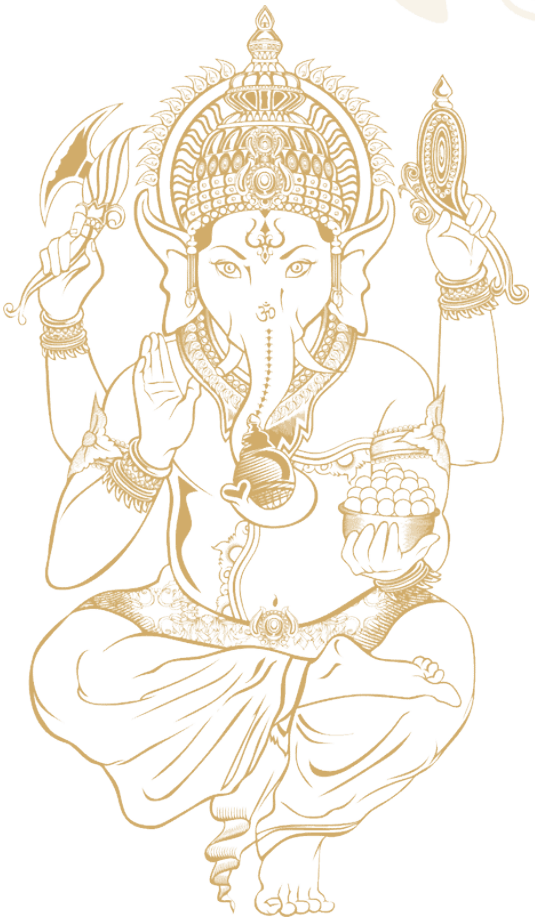

05 Jan 2026

04:15 PM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120936306

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/01/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:15:00 घंटे**
इष्ट	22:31:57 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:57:36 घंटे
वेलान्तर	-00:05:18 घंटे
साम्पातिक काल	22:57:47 घंटे
सूर्योदय	07:14:13 घंटे
सूर्यास्त	17:31:36 घंटे
दिनमान	10:17:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:52:42 धनु
लग्न के अंश	04:47:10 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	विष्कुम्भ
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डिंपल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:47:10	332:33:42	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			धनु	20:52:42	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	18:20:33	14:09:01	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल		अ	धनु	21:52:53	00:46:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	11:16:24	01:33:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:32:50	00:08:01	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	20:34:51	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि			मीन	02:13:11	00:03:54	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:07:40	00:04:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:07:40	00:04:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:36:42	00:01:28	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:20:43	00:00:53	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:37:55	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	18:54:07	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

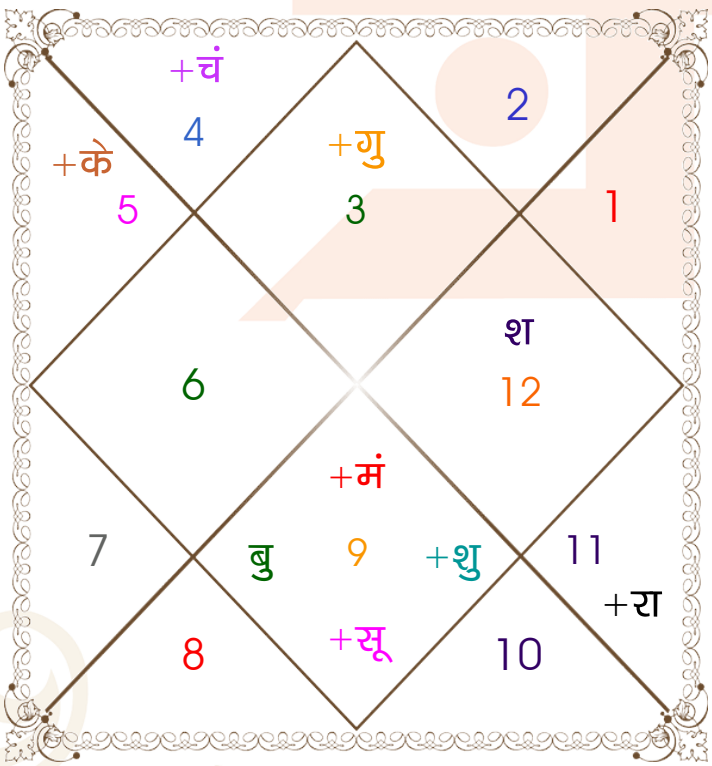

चन्द्र कुंडली

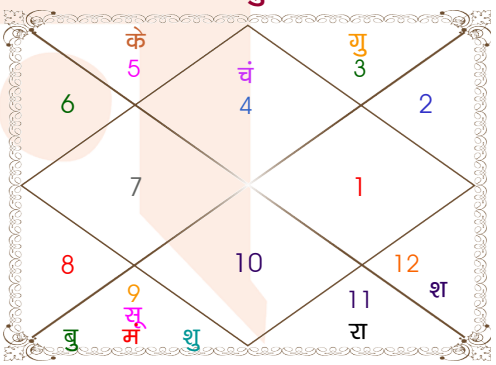

नवमांश कुंडली

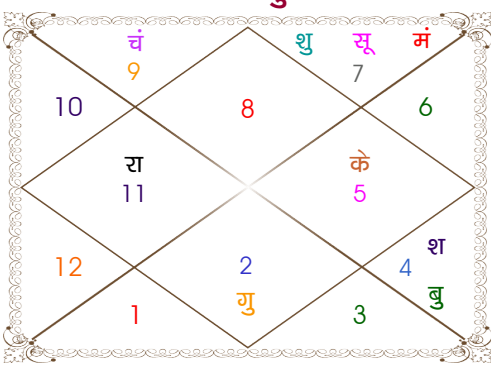

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 10 मास 10 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/01/2026		16/11/2040		17/11/2047		17/11/2067		16/11/2073	
16/11/2040		17/11/2047		17/11/2067		16/11/2073		17/11/2083	
बुध	14/04/2026	केतु	14/04/2041	शुक्र	18/03/2051	सूर्य	05/03/2068	चंद्र	17/09/2074
केतु	12/04/2027	शुक्र	14/06/2042	सूर्य	17/03/2052	चंद्र	04/09/2068	मंगल	18/04/2075
शुक्र	09/02/2030	सूर्य	20/10/2042	चंद्र	16/11/2053	मंगल	10/01/2069	राहु	17/10/2076
सूर्य	17/12/2030	चंद्र	21/05/2043	मंगल	16/01/2055	राहु	05/12/2069	गुरु	16/02/2078
चंद्र	17/05/2032	मंगल	17/10/2043	राहु	16/01/2058	गुरु	23/09/2070	शनि	17/09/2079
मंगल	15/05/2033	राहु	04/11/2044	गुरु	16/09/2060	शनि	05/09/2071	बुध	15/02/2081
राहु	02/12/2035	गुरु	11/10/2045	शनि	17/11/2063	बुध	11/07/2072	केतु	16/09/2081
गुरु	09/03/2038	शनि	20/11/2046	बुध	17/09/2066	केतु	16/11/2072	शुक्र	18/05/2083
शनि	16/11/2040	बुध	17/11/2047	केतु	17/11/2067	शुक्र	16/11/2073	सूर्य	17/11/2083

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/11/2083		16/11/2090		17/11/2108		17/11/2124		18/11/2143	
16/11/2090		17/11/2108		17/11/2124		18/11/2143		00/00/0000	
मंगल	14/04/2084	राहु	30/07/2093	गुरु	05/01/2111	शनि	21/11/2127	बुध	06/01/2146
राहु	02/05/2085	गुरु	23/12/2095	शनि	18/07/2113	बुध	31/07/2130		00/00/0000
गुरु	08/04/2086	शनि	29/10/2098	बुध	24/10/2115	केतु	09/09/2131		00/00/0000
शनि	18/05/2087	बुध	19/05/2101	केतु	29/09/2116	शुक्र	08/11/2134		00/00/0000
बुध	14/05/2088	केतु	06/06/2102	शुक्र	31/05/2119	सूर्य	21/10/2135		00/00/0000
केतु	10/10/2088	शुक्र	06/06/2105	सूर्य	18/03/2120	चंद्र	22/05/2137		00/00/0000
शुक्र	11/12/2089	सूर्य	01/05/2106	चंद्र	18/07/2121	मंगल	30/06/2138		00/00/0000
सूर्य	17/04/2090	चंद्र	30/10/2107	मंगल	24/06/2122	राहु	06/05/2141		00/00/0000
चंद्र	16/11/2090	मंगल	17/11/2108	राहु	17/11/2124	गुरु	18/11/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 10 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।